>

Title: Regarding incidents of violence against North Indians in Mumbai and other parts of the Country.

11.16 hrs.

MR. SPEAKER : Do you really need a Chair?

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, हम एक बहुत ही संवेदनशील सवाल उठाना चाहते हैं जो इस देश की अखंडता और एकता से जुड़ा हुआ है। हमने इस संबंध में नोटिस दिया था और आपने हमें बोलने का समय दिया है।

अध्यक्ष महोदय : हमने आपको बारह बजे, क्वैश्चन ऑवर के बाद, बोलने के लिए कहा था।

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम आपके आभारी हैं कि आपने हमें बोलने का समय दिया। देश में कई महीनों से विवाद चल रहा है, हालांकि यह विवाद काफी पहले से है, जबकि उत्तर भारत विशेषकर बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ, देश के दूसरे हिस्सों में बराबर मारपीट और हत्या की घटनाएं होती रही है। जब भी ऐसी घटना भारतीयों के साथ दुनिया के दूसरे देशों में होती है तो देश काफी चिंतित रहता है, लेकिन इस देश में ही, एक प्रदेश के लोग दूसरे प्रदेश में जाते हैं तब ऐसा होता है, यह विचारणीय है। इसकी शुरूआत असम से हुई। वहां काफी संख्या में बिहार के लोगों की हत्या की गई। इधर नए सिरे से महाराष्ट्र में, जिसे देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, जिस ढंग से उत्तर भारतीयों के साथ खास तौर से बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ ऊटपटांग भाषा बोलकर व्यवहार हुआ, एक नए दल के नेता, जो मराठियों का मसीहा बनना चाहते हैं, के अनावश्यक भाषण के चलते जो विवाद उत्पन्न हुआ है, जिसके कारण प्रतिदिन हजारों की संख्या में महाराष्ट्र से लोग बिहार की तरफ आ रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही संवेदनशील सवाल है। महाराष्ट्र देश की आर्थिक राजधानी है, और * ..... बयान में कहा जाता है...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Do not take the name.

श्री प्रभुनाथ सिंह : ठीक है, इसे निकाल दिया जाएगा लेकिन महोदय हमने नाम इसलिए लिया है क्योंकि उन्हीं की बदौलत सारी घटना घटी है। ...(व्यवधान)

---

* Not recorded

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : हम हिंदीभाषी लोगों की रक्षा करने वाले लोग हैं...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Mr. Athawale, I will have to take action.

...(*Interruptions*)

श्री रामदास आठवले : इनके लिए हम लोग हैं।...(व्यवधान)

होनेMR. SPEAKER : I will take action against you. I would name you. I am giving you a warning. आप अपनी सीट पर जाकर बोलिए।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Enough is enough. This cannot be done. Has the House become a place of *tamasha?*

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, देश की आर्थिक राजधानी महाराष्ट्र है। देश के जितने भी प्रदेश हैं, ऐतिहासिक और भौगोलिक कारणों से उन प्रदेशों को नाम दिया गया है, लेकिन महाराष्ट्र को महाराष्ट्र इसलिए कहा गया, क्योंकि यह आर्थिक राजधानी है। इसके आर्थिक राजधानी होने का कारण है। इसका कारण है कि वहां रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का मतलब होता है - चुंबक । देश में जितना भी पैसा होता है, चुंबक महाराष्ट्र में उसको खींच लेता है। इतना ही नहीं, जितनी भी बड़ी-बड़ी कंपनियां हैं, जैसे झारखंड में टाटा के कारखाने लगे हुए हैं लेकिन उनका मुख्यालय महाराष्ट्र में है, रिलायंस के कारोबार कहीं भी हों लेकिन उनका मुख्यालय महाराष्ट्र में है। स्टेट बैंक का मुख्यालय भी वहीं है। पेट्रोलियम और कैरोसिन तेल उत्तर प्रदेश और बिहार में बेचे जाते हैं, लेकिन डीजल और पेट्रोल के मुख्यालय महाराष्ट्र में है। महाराष्ट्र को आर्थिक राजधानी बनाने में सिर्फ मराठियों का हाथ नहीं है बल्कि देश के एक-एक व्यक्ति का हाथ है जिसके चलते महाराष्ट्र आर्थिक राजधानी बना है।

MR. SPEAKER : Prabhunath Singhji, may I take one minute? I think nobody can question it. Our Constitution provides it and it is binding on everybody that every citizen has a right to live freely with dignity in every part of India. This is what we

reiterate once again. Therefore, if somebody is violating it, I believe, the law and order machinery will take action against him. We can only express our great resentment and objection to any attempt by anybody to disturb or take action or attack any other citizen of India. They have no right to do that. It is my right, everyone's right in India to stay in every part of the country which should be reiterated by all of you.

...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : वहां गवर्नमेंट लॉ एंड आर्डर मेन्टेन नहीं कर रही है। ...(व्यवधान) वहां की गवर्नमेंट कदम नहीं उठा रही है।...(व्यवधान)

प्रो. महादेवराव शिवनकर (विमूर): वहां भाषावाद काम करता है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए। क्या प्रोफेसर, आप भी ऐसे करते हैं? आपसे छात्र क्या सीखते हैं?

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Mr. Naidu, again you have got up. You have no right.

...(*Interruptions*)[k4]

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, आर्थिक राजधानी बनाने में देश के एक-एक व्यक्ति का हाथ है, जिसके कारण महाराष्ट्र देश की आर्थिक राजधानी बना है। भाषाओं के बारे में भी कहा जाता है और बिहार, उत्तर प्रदेश के लोगों को संस्कृति का ज्ञान दिया जाता है। इस तरह के बयान देने वालों के लिए हम कहना चाहते है कि मोक्षदायिनी गंगा और शिवजी के एक ज्योतिर्लिंग श्रीविश्वनाथ के कारण बनारस दुनिया की संस्कृति का केन्द्र बिन्दु रहा है। बिहार में गया बौधों का धर्मस्थल होने के कारण वह स्थान दुनिया का केन्द्र बिन्दु रहा है। वहां के लोगों को संस्कृति और सभ्यता सिखाने वाले लोगों को एक बार बिहार और उत्तर प्रदेश में जाकर वहां की संस्कृति और सभ्यता को देख लेना चाहिए और फिर उन्हें महाराष्ट्र में बैठकर संस्कृति की बात करनी चाहिए। मैं समझता हूं कि उन लोगों को ज्ञान प्राप्त करने के लिए बिहार में आने की जरूरत है।

महोदय, हम आपके माध्यम से एक निवेदन करना चाहते हैं क्योंकि हमारी छठ पूजा पर हमला किया जा रहा है। छठ पूजा में हम सूर्य की उपासना करते हैं। बिहार का यह पर्व सबसे महान पर्वों में माना जाता है। हमारी पूजा के नाम पर कहा जाता है कि गंगा में स्नान किया जाता है या समुद्र में। समुद्र के किनारे रहने वाले लोगों द्वारा नमकीन पानी पीते-पीते उनका दिमाग भी नमकीन जैसा हो चुका है। अगर गंगा के किनारे बैठकर उसकी मिठास ले लेंगे, तो उन्हें पता चलेगा कि...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You should invite them to come to Patna.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम कोई तनावपूर्ण भाषा नहीं बोलेंगे, हम केवल एक बात निवेदन करके अपनी बात समाप्त करेंगे कि इस देश के प्रदेशों में सिर्फ कांग्रेस का ही राज नहीं है, विभिन्न जगहों पर विभिन्न पार्टियों का राज है। कहीं भारतीय जनता पार्टी का राज है, कहीं भारतीय जनता पार्टी और बीजू जनता दल का मिला हुआ राज है, कहीं जनता दल यूनाइटेड और भारतीय जनता पार्टी का मिला हुआ राज है। लेकिन ये घटना वहीं होती है, जहां कांग्रेस शासित प्रदेश हैं...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ऐसा बोलेंगे, तो वे भी जवाब देंगे।

श्री प्रभुनाथ सिंह : असम में कांग्रेस का राज है, महाराष्ट्र में कांग्रेस का राज है और दिल्ली की मुख्य मंत्री ने अभी भाषण दिया था कि बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों के आने से यहां गंदगी फैल रही है। मैं कहना चाहता हूं कि एक भिंडरावाला को पालकर कांग्रेस के लोगों ने अंजाम देख लिया और दूसरे भिंडरावाला को पालकर अगर वे लोग इस देश के टुकड़े करना चाहते हैं तो यह देश टुकड़े नहीं हो सकता...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप यहां से वहां चले गये हैं। श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव जी, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि गृह मंत्री जी का भी जो बयान आया है, वह एक द्वंद्व का बयान था...(व्यवधान) गृह मंत्री का देश में जो बयान आया है, वह एक द्वंद्व भरा बयान आया है। ...(व्यवधान) उन्हें चुनना होगा कि राष्ट्र और महाराष्ट्र में कौन सर्वोच्च है। उन्होंने महाराष्ट्र को प्राथमिकता इसलिए दी है कि वर्ष 1966 में...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको फिर बोलने का मौका मिलेगा।

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम सिर्फ दो मिनट में अपनी बात समाप्त करते हैं। वर्ष 1966 में वहां बाल ठाकरे साहब ने इसी तरह का बयान देकर अपने आपको मराठियों का मसीहा घोषित कर दिया था, जिसके कारण कांग्रेस पार्टी आज वहां कार्रवाई नहीं कर रही है। ...(व्यवधान) उन्होंने धारा 153, 153 ए और 153 बी में मुकदमा किया गया और उसमें राज ठाकरे की जिस तरह गिरफ्तारी हुई, वह दूल्हे की तरह न्यायालय में गये और ढाई घंटे में न्यायालय से छूटकर वापस आ गये। इसीलिए इस तरह के लोगों का मनोबल बढ़ रहा है। महाराष्ट्र में मकोका कानून लागू है। ये राष्ट्रद्रोही बयान है।

अध्यक्ष महोदय : उन्हें कोर्ट ने बेल दी है, इसमें कोई क्या कर सकता है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि केन्द्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। वहां कांग्रेस का शासन है और राज ठाकरे को मकोका कानून में गिरफ्तार करके जेल में बंद करना चाहिए, ताकि यह देश टूटने न पाये और राष्ट्र की एकता और अखंडता बरकरार रहे ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: We cannot dictate to the court.

Shri Devendra Prasad Yadav.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम आपसे यही निवेदन करना चाहते हैं और हमें भरोसा है कि कांग्रेस के लोग इसे गंभीरता से लेंगे।

अध्यक्ष महोदय : देवेन्द्र प्रसाद जी, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम पहले से ही बहुत परेशान है, आप हमें और क्यों परेशान कर रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप उनकी बात सुनिये, वह क्या बोल रहे हैं। हम आपको बोलने का मौका देंगे, क्योंकि आपके खिलाफ बोला गया है, इसलिए आपको भी बोलने का मौका देंगे।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : इतने महत्वपूर्ण इश्यु पर बहस हो रही है...(व्यवधान) हम एक सप्ताह से नोटिस दे रहे हैं, लेकिन आप लोग बोलने नहीं दे रहे हैं ...(व्यवधान) राष्ट्र की एकता से बढ़कर कोई दूसरा सवाल नहीं हो सकता।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I think, I will adjourn this House immediately. Let us pass everything during shouting. Let us go home. In one day's time, let the Budget the passed.[SS5]

[r6]यह एक फार्स हो गया है। Can anybody get up at any time and dictate the Chair?

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या हो रहा है?

...(व्यवधान)

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद): सर, एक्शन नहीं हो रहा है, इसीलिए यह सब हो रहा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम आप सभी से आपके कोआपरेशन के लिए हाथ जोड़कर विनती करते हैं। Please cooperate. I challenge that not a single Member can cite any issue, which I have not allowed to be raised. तब भी आप लोग ऐसे जबर्दस्ती करते हैं। देवेन्द्र प्रसाद जी, आप बोलिए।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, राष्ट्रीय महत्व के अति संवेदनशील विषय पर आपने सदन में बोलने का मुझे मौका दिया है, इसके लिए मैं आपके प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं।ां...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमें आभार नहीं चाहिए। हमें थोड़ा कोआपरेशन चाहिए।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सर, फिर हम यहीं बंद कर देते हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आप बोलिए। आपको तो बोलने का मौका दिया है।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सर, हमें बड़ी तकलीफ होती है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमें भी ज्यादा होती है।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सर, यह क्या बात है? राष्ट्रीय एकता और अखंडता का सवाल है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको तो हमने बोलने का मौका दिया है। I have invited you.

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, हमने नियम के तहत नोटिस दिया है। सर, मैं आपका शुक्रगुजार हूं क्योंकि यह केवल महाराष्ट्र का सवाल नहीं है, आए दिन असम में भी ऐसी घटनाएं घटती रहती हैं, हिन्दी भाषा भाषी क्षेत्रों के जो लोग हैं, उनके साथ। यही नहीं, आज महाराष्ट्र में असाधारण स्थिति उत्पन्न की जा रही है। चालीस सालों से जो कुछ हुआ, इसकी बुनियाद कहां है? कभी-कभी इसकी बुनियाद पर भी विचार किया जाना चाहिए। मैं कुछ उदाहरण देना चाहता हूं। न केवल अमिताभ बच्चन, जो फिल्मी स्टार हैं, जो बिग-बी के नाम से जाने जाते हैं, न केवल उनके कार्यालय पर हमला हो रहा है बल्कि महाराष्ट्र में सीवान जिले के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के दुधहा गांव के निवासी श्री किशन सिंह, जो पुणे में भूजा बेचकर अपनी गुजर-बसर कर रहे हैं, दस वर्षों से वह वहां भूजा भूंज रहे थे, उनके हाथ काटकर गांव भेज दिये गये हैं। यह कितना संवेदनशील मामला है? दोनों हाथ कटे हुए हैं। फोटो गलत नहीं हो सकती। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से इसे यहां रखना चाहता हूं। इसे देख लिया जाए कि किस तरह से किशन सिंह के दोनों हाथ काटकर पुणे से गांव भेज दिये गये हैं। हॉस्पिटल में जब वह अचेतावस्था में था, वह सुबह देखता है कि उसके दोनों हाथ कटे हुए हैं। यह सेना कौन है? यह महाराष्ट्र नव निर्माण सेना है या हिन्दुस्तान की राष्ट्रीय एकता और अखंडता को तोड़ने वाली सेना है? यह सेना क्या चीज है? यह महाराष्ट्र नव निर्माण सेना नहीं बल्कि पूरे देश को ध्वस्त करने वाली महाराष्ट्र नव निर्माण सेना है जिसने हाथ काटने का काम, दरिंदगी और हैवानियत की सीमा को भी पार कर देने वाला ऐसा काम किया है। यह उत्तर भारतीयों के साथ घटित हुई कोई आम घटना नहीं है। उत्तर भारतीयों का इस देश के प्रति बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। यह महाराष्ट्र की वही धरती है, जहां के किसान नेता श्री शरद पवार साहब बैठे हुए हैं जिसे भीमराव अंबेडकर साहब ने न केवल जन्म भूमि बल्कि कर्म क्षेत्र भी बनाया था और जहां से समता का संदेश हिन्दुस्तान को ही नहीं, पूरी दुनिया को मिला था। वह महाराष्ट्र की धरती जहां महात्मा फूले ने पूरे देश में एक संदेश दिया था और उसी महाराष्ट्र की धरती की पुत्री लता मंगेशकर ने देश के लिए बलिदान होने वाले शहीदों के लिए, देशवासियों को आवाज दी थी, उस गीत के बोल थे:

ऐ मेरे वतन के लोगों, जरा आंख में भर लो पानी,

जो शहीद हुए हैं, उनकी जरा याद करो कुर्बानी।

कोई सिख, कोई जाट मराठा, कोई गोरखा, कोई मद्रासी,

सरहद पर मरने वाला, हर वीर था भारतवासी।

उस धरती से अगर ऐसी आवाज आती है, तो उस धरती की न केवल आर्थिक स्थिति खराब होगी, बल्कि मैं समझता हूं कि पूर्वांचलवासी, चाहे उत्तर भारत के रहने वाले बिहार के लोगों को टार्गेट बनाकर, जिस तरह वहां से पलायन हो रहा है, एक दिन में हजारों-हजारों लोग पलायन कर रहे हैं, अभी तक बीस हजार लोग केवल में बिहार में, भोजपुर इलाके में पलायन होकर गये हैं। बारह हजार लोग उत्तर प्रदेश, शाहजहानपुर आदि में पलायन होकर गये हैं।...(व्यवधान) मैं कहना चाहता हूं कि जो लोग छत्रपति शाहजी महाराज की दुहाई देते हैं जिन्होंने समाज की अंतिम पंक्ति में रहने वाले लोगों के उत्थान के लिए आदर्श और सिद्धांत पेश किया था, आज उस धरती पर क्या हो रहा है? जो धरती समाजवादी नेता मधु दंडवते का कर्म क्षेत्र रहा है, जिस धरती पर मधु दंडवते ने ही नहीं, बल्कि समाजवादी नेताओं ने समतामूलक समाज की स्थापना के लिए आवाज दी थी।[r7]

अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि इसके कारण क्या हैं? इस तरह की बातें क्यों हो रही हैं? मुम्बई में उत्तर भारतीयों के साथ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Shri Devendra Prasad Yadav, this is not a debate.

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : 50-60 लोग घायल हो गये हैं...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग डिबेट कर रहे हैं, बैठ जाइये। आपको प्रेजीडेंट अड्रैस पर बोलने का मौका मिलेगा।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, यह इतना महत्वपूर्ण विषय है। मुम्बई में 43 प्रतिशत लोग मराठी हैं, जबकि 57 प्रतिशत उत्तर भारत और पूर्वांचल के लोग हैं। मुम्बई नगरी, जो देश की आर्थिक राजधानी है, सुन्दर महानगरी है, उसे अपने खून-पसीने से पूर्वांचलवासियों ने बनाने का काम किया है। पूरे देश में चाहे बंगलौर हो, चाहे दिल्ली हो, चाहे लुधियाना हो, चाहे महाराष्ट्र में पुणें हो, उन लोगों ने अपने पसीने और मेहनत से उनके आर्थिक विकास में खास योगदान किया है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am very sorry.

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : और उसमें केवल पूर्वांचल के लोगों का योगदान है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इसके कारण क्या हैं? मैं इसके कारण बताने के लिये दो मिनट में बोलना चाहता हूं।.. *(Interruptions)* â€¦*

अध्यक्ष महोदय : इस मुद्दे पर पूरा डिबेट कैसे होगा? Please strike out those words.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आठवले जी, आप बैठ जाइये, नहीं तो आपको बाहर जाना पड़ेगा। हम आपको बाहर भेजना चाहेंगे।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : मैं कनकलूड करना चाहता हूं. इस तरह की संकीर्ण राजनीति है। देश के संविधान का उल्लंघन करना, आखिर ऐसी इजाजत कौन दे सकता है? क्या किसी भारतीय नागरिक को भारतीय संविधान का उल्लंघन करने की छूट दी जा सकती है?

MR. SPEAKER : Please conclude now.

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : क्या किसी भारतीय नागरिक को भारतीय संविधान के साथ खिलवाड़ करने की छूट दी जा सकती है? मैं कुछ सवाल छोड़ रहा हूं जो पूरे देश के सवाल हैं। हम लोग एक समान हैं। क्या महाराष्ट्र की राज्य सरकार और केन्द्र सरकार...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Everybody says that it is wrong, but even then this is continuing in the House.

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : इस देश में कानून की पालना ही नहीं होगी, बल्कि आचरण करना होगा, नहीं तो मैं मांग करता हूं कि मतदाता सूची से ऐसे लोगों का नाम निकालने के लिये इलैक्शन कमीशन को भेजा जाये...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं आपसे विनती करता हूं कि आप बस कीजिये। श्री शाहनवाज़ जी।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, महाराष्ट्र के ऐसे संगठन महाराष्ट्र निर्माण सेना पर प्रतिबंध लगाया जाये। देश के कई सामाजिक और असामाजिक तत्व, ऐसी बातों को हवा देते हैं, ऐसे संगठनों को बैन करना चाहिये। ऐसे लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाना चाहिये, मैं यह मांग करता हूं।...(व्यवधान)

* Not recorded

MR. SPEAKER Only Shri Syed Shahnawaz Hussain's submissions should be recorded, and nothing more.

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER Very well, do you not want the House to run? I would adjourn the House.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No, I would not allow this to continue.

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : देवेन्द्र जी, यह सही नहीं है। आप 10 मिनट से बोल रहे हैं, क्या बात है?

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष जी, अंत में एक बात कहना चाहता हूं जो इकबाल ने कही है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम हाउस एडजर्न करके चले जायेंगे।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : मैं केवल एक मिनट में कहना चाहता हूं। राष्ट्रीय एकता के संबंध में है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह दुख की बात है कि चेयर की बात कोई नहीं सुनता है।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : मेरी एक बात सुन लीजिये। मैं एक लाईन सुनाना चाहता हूं :

गुलिस्तां में गर फूलों का कत्लेआम होता है,

सबब कुछ भी हो, बाग़बां बदनाम होता है।,

MR. SPEAKER: Nothing more to be recorded. Now, Shri Syed Shahnawaz Hussain.

(Interruptions) â€¦*

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): अध्यक्ष महोदय, मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं...(व्यवधान)

MR. SPEAKER It has been made into more than a debate. हम दो मिनट से ज्यादा किसी को नहीं देंगे। आज़मी जी, आप बैठ जाइये। जब हम आपको बुलायेंगे तभी आप बोलेंगे ।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded.

(Interruptions) â€¦*

* Not recorded

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): अध्यक्ष महोदय, मैं कोई नई बात नहीं कहना चाहता हूं...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्या एक साथ दस मैम्बर्स बोलेंगे? हम कब आपको बुलायेंगे, यह हम पर छोड़ दीजिये।

Please do not dictate me.

...(*Interruptions*)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : अध्यक्ष महोदय, प्रभुनाथ सिंह जी ने अपनी सारी बात रखी है। मैं विषय की कटुता बढ़ाने के लिये नहीं, उसे घटाने के लिये खड़ा हुआ हूं। मैं ऐसी कोई बात नहीं कहना चाहता जिससे महाराष्ट्र और बिहार के बीच में जंग दिखे। यह स्टेट का मामला है और हम संसद सदस्यों के जितने अधिकार हैं...(व्यवधान)[s8]

अध्यक्ष महोदय, लालू जी वहां से बोल रहे हैं। जब तक वे पूरी बात नहीं सुनेंगे, ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप उनकी बात नहीं सुनिये, हमें देखकर बोलिए । वे अच्छा रेलवे बजट बोलते हैं और दिया है।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : हमको भागलपुर में कुछ नहीं दिया है, इसलिए हम थोड़ा नाराज़ हैं। ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं कोई कटुता पैदा करने के लिए खड़ा नहीं हुआ हूँ। यह विषय बड़ा गंभीर है। जो विषय यहां पर आया है, महाराÂष्ट्र में इस तरह की चर्चा शुरू हुई, जिस तरह का बयान उन्होंने दिया है, उससे उन्होंने धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुंचाई है। छठ पर्व को पूरे बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग बहुत श्रद्धा से मनाते हैं। इसमें किसी के सर्टिफिकेट की ज़रूरत नहीं है कि हम अपने त्यौहार को कैसे मनाते हैं। जिस तरह से महाराष्ट्र में गणपति जी का त्यौहार बहुत धूमधाम से मनाया जाता है, उसी तरह से छठ पर्व पर पूजा पूरे देश में और दुनिया में होती है। इसलिए मुझे लगता है कि उन्होंने जो बयान दिया है, वह बहुत ही गलत है।

अध्यक्ष महोदय, मैं इतिहास में नहीं जाना चाहता। मैं शेरो-शायरी में उलझना नहीं चाहता। मैं दो टूक शब्दों में अपनी बात कहना चाहता हूं कि आजकल परंपरा चल पड़ी है है कि उल्टी-सीधी बात कहकर पब्लिसिटी प्राप्त करें। मेरा इल्ज़ाम उस व्यक्ति पर नहीं है जिस व्यक्ति ने देश की एकता और अखंडता को तोड़ने के लिए बयान दिया, हमारा इल्ज़ाम इस सरकार पर है कि अगर कोई व्यक्ति इस देश की एकता और अखंडता को तोड़ने के लिए बयान देता है तो आपके पास राÂष्ट्रीय सुरक्षा कानून है, आपके पास मकोका है। आपने उनको इतने दिन तक समझा-बुझाकर रखा और आपने उनको पूरी पब्लिसिटी

* Not recorded

दी। ...(व्यवधान) हमारा इल्ज़ाम केन्द्र की कांग्रेस सरकार और यूपीए सरकार पर है क्योंकि बिहार में इनकी, यूपीए की सरकार नहीं आई ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: The State Government is not here. That is the problem. You cannot tell the State Government.

â€¦(व्यवधान)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो अभी शुरू भी नहीं किया है। मैं इल्ज़ाम नहीं लगा रहा हूँ। मैं सरकार की जवाबदेही फिक्स कर रहा हूँ। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: The State Government is not present here.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : यह यूपीए सरकार की जिम्मेदारी है। स्टेट में और सेन्टर में यूपीए की सरकार है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री रामजीलाल सुमन।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मैं शुरू भी नहीं हुआ और आपने खत्म कर दिया। मुझे आपका संरक्षण चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने बहुत अच्छा कहा है।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : मैं एक मिनट में बात समाप्त करूँगा। मेरा इल्ज़ाम है कि केन्द्र सरकार ने जान-बूझकर इस मामले को बढ़ने दिया। अगर पहले ही दिन ऐसे व्यक्ति को राÂष्ट्रीय सुरक्षा कानून में गिरफ्तार किया होता तो उसे इतनी पब्लिसिटी नहीं मिलती। बिहार में चूंकि कांग्रेस खत्म हो गई है, इसलिए उसे उत्तर भारतीयों से लगाव नहीं है। इसीलिए जान-बूझकर एक पार्टी के द्वारा कांग्रेस वहां उत्तर भारतीयों का अपमान करवा रही है और जान-बूझकर इन्होंने इस मामले को बढ़ाने का काम किया है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Do not record anything more.

(Interruptions) â€¦*

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : अध्यक्ष महोदय, अभी हमारी बात ही नहीं आई।

अध्यक्ष महोदय : आपकी पूरी बात हो गई। श्री रामजीलाल सुमन।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका नाम रामजीलाल सुमन नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

* Not recorded

MR. SPEAKER: Only Shri Ramji Lal Suman's submission will be recorded. Nothing more will be recorded.

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: After I have said, "Nothing will be recorded", nothing more will be recorded. Only Shri Ramji Lal Suman's statement will be recorded.

अध्यक्ष महोदय : श्री रामजीलाल सुमन, आप जल्दी बोलिये। एक मिनट में आप अपनी बात खत्म कीजिए।

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, जैसा अभी हमारे लायक दोस्तों ने कहा, यह बहुत गंभीर सवाल है। मुम्बई में 1 करोड़ 60 लाख लोग रहते हैं और उनमें लगभग 45 लाख लोग उत्तर भारतीय हैं। मुम्बई को मुम्बई बनाने में उत्तर भारतीयों का भारी योगदान रहा है। अध्यक्ष महोदय, मुम्बई में जो बड़े उद्योग हैं, उन पर गुजराती और मारवाड़ियों का अधिकार है। दूध का कारोबार उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग करते हैं, ट्रांसपोर्ट का अधिकांश काम पंजाबियों के हाथ में है। इसलिए मुम्बई की आज जो शक्ल है, उसमें पूरे हिन्दुस्तान का योगदान है। इस प्रकार की घटनाएं जब होती हैं तो निश्चित रूप से यह नहीं कहा जा सकता है कि यह राज्य का विषय है। भारत सरकार का जो गृह मंत्रालय है, इसका काम यह देखना है कि हमारा घर ठीक ठाक रहे। [h9]यहां भाषा, धर्म एवं क्षेत्रवाद के नाम पर किसी को तनाव पैदा करने का अधिकार दे दिया जाए, इसे रोकना भारत सरकार का काम है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे बहुत विनम्रता के साथ कहना चाहता हूं कि 3 फरवरी को समाजवादी पार्टी की मुंबई में रैली थी और उससे पहले महाराष्ट्र नव-निर्माण सेना के अध्यक्ष ने,...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं नाम नहीं ले रहा हूं, मैं जानता हूं, उन्होंने बयानबाज़ी शुरू कर दी थी। दस दिन तक वहां की सरकार क्या करती रही, मैं जानना चाहता हूं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nobody can reply here. This is the problem.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are asking questions about the State Government. Nobody is here to reply for them. This is the problem.

...(*Interruptions*)

* Not recorded

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मैं गृह मंत्रालय से पूछना चाहता हूं कि 11 फरवरी को मुकदमा दर्ज हुआ। हमारा आरोप है कि वह केस इतना हल्का था कि इतने गंभीर सवाल पर फौरन जमानत हो गई।...(व्यवधान) ऐसे तत्वों के खिलाफ कठोर कार्यवाही किए जाने की आवश्यकता है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, वहां 20 हजार लोग केवल नासिक से पलायन हुए, यह बहुत गंभीर घटना है। मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि सिर्फ इतनी सी बात है कि नव-निर्माण सेना के जो अध्यक्ष हैं, *(Interruptions) â€¦** वे अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने में लगे हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सुमन जी, आप दो मिनट बोल चुके हैं।

...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, आगे विधान सभा के चुनाव हैं, इसलिए विधान सभा के चुनाव में लाभ लेने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है।...(व्यवधान) इस व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्यवाही होनी चाहिए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Nothing more to be recorded but the speech of Shri Ilyas Azmi.

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER : Do not record anything more.

(Interruptions) â€¦*

श्री इलियास आज़मी (शाहाबाद) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। मैं प्रभुनाथ सिंह जी, देवेन्द्र प्रसाद यादव जी और रामजी लाल सुमन जी की बातों से अपने आपको सम्बद्ध करते हुए एक बात कहना चाहता हूं। मैं पहली बार देख रहा हूं कि एक आदमी ने बकवास की, एक आदमी ने गुंडागर्दी की और मुंबई में पूरे देश की अंतरात्मा जाग गई। काश, देश की अंतरात्मा उस समय जागी होती, जब छ: दिसम्बर, 1992 को और सात जनवरी, 1993 को उसी मुंबई में कांग्रेस की सरकार, उसकी पुलिस और शिवसेना तथा सब लोगों ने मिल कर जिस तरह इंसानियत का कत्लेआम किया था, अगर उस वक्त भी यह अंतरात्मा जाग गई होती, असम में नीरी के वाकयात पर अगर अंतरात्मा जागी होती तो शायद देश को बहुत सारी ट्रेजडियों से निज़ात मिल गई होती। ...(व्यवधान) अब अंतरात्मा जागी है, देर से सही। यहां सिखों का कत्लेआम दिल्ली में हुआ, अगर उस समय देश की अंतरात्मा इसी तरह जागी होती तो आज शायद बहुत

* Not recorded

सारी ट्रेजडियों से हम बच गए होते।...(व्यवधान) मैं स्वागत करता हूं पहली बार जो हमारे देश की अंतरात्मा जागी है और जिस आदमी ने जगाई है, वह भी धन्यवाद का पात्र है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please just refer to the matter. Only one minute is allowed for you, Md. Salim.

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता - उत्तर पूर्व) : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही गंभीर मामला है और हम समझते हैं कि आज हमारे देश में जो एक तरफ ग्लोबल इकोनोमी और दूसरी तरफ लोकल पोलिटिक्स का दौर चला है, यह कम्पीटिटिव पोलिटिक्स है। अपने को जो लोग राष्ट्रवादी मानते हैं, वे मुंबई में महाराष्ट्रवादी बन जाते हैं। आजादी के बाद से योजनाबद्ध तरीके से मुंबई शहर को हमारे देश का आर्थिक केन्द्र बनाने की कोशिश की गई। सरकार की पालिसी थी। पूर्वी एवं उत्तर क्षेत्र से इकोनोमी को पुश करके पश्चिम क्षेत्र में ले जाया गया। मैं क्षेत्रवाद की बात नहीं कर रहा हूं। आज जो इकोनोमी चल रही है, उससे इंटरनल माइग्रेशन होगा। लोग एक जगह से दूसरी जगह आर्थिक कारणों से जाएंगे। यह हमारे देश में ही नहीं, पूरे विश्व में बढ़ रहा है।

अध्यक्ष महोदय, 60 के दशक से साऊथ इंडियंस के खिलाफ टारगेट किए गए, जिन्हें उस समय मद्रासी कहा जाता था, चाहे वे मलयाली, तेलगु, कन्नड़ या चेन्नई के लोग हों, उन पर हमला किया गया। यह एक घाव है, ये पिछले कई महीनों से हो रहा है। आप एमएनएस की बात कर रहे हैं, ये तो घाव एक है, लेकिन जो नासूर है, वो तो ताव है *(Interruptions)* * â€¦ इस तरह से ऐसी राजनीति की गई - जैसे यह हो रहा है कि कोई भी ऐसे कम्पीटिटिव पोलिटिक्स में मारो, काटो, जलाओ, नुकसान करो और उसके बाद राजनैतिक समझौता कर लो - चाहे वह एनडीए हो या कांग्रेस पार्टी हो। ऐसे तत्वों को बढ़ावा देते रहे हैं। इससे देश और राष्ट्रीय एकता का नुकसान हो रहा है।...(व्यवधान) मैं कलकत्ता शहर से आता हूं, वहां भी अलग-अलग प्रदेश से लोग आते हैं। आज बंगाल के 40 हजार लोग मुंबई से भगाए गए हैं, जो जेम्स एंड ज्वैलरी में काम करते हैं। मिदनापुर जिले के 40 हजार लोग बिहार एवं यूपी के लोगों के साथ बंगाल के नाम पर...(व्यवधान)[rep10]

हम समझते हैं कि केन्द्र सरकार को महाराष्ट्र सरकार को निर्देश देना चाहिए, *(Interruptions)* â€¦* यह चुनावी राजनीति नहीं है, वास्तविकता की बात है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : राज्य सरकार के बारे में जो कहा गया है, that will be deleted.

* Not recorded

श्री अनंत गंगाराम गीते (रत्नागिरि): अध्यक्ष जी, महाराष्ट्र में विशेषकर मुम्बई में, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने जो कुछ भी किया है, उसके समर्थन में मैं यहां नहीं खड़ा हुआ हूं और न ही मैं उनकी वकालत करना चाहता हूं। लेकिन मुम्बई में जो घटनाएं हुई हैं, उसके पहले असम में जो घटनाएं हुई थीं...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is the danger of discussing any such thing.

...(*Interruptions*)

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : अगर असम में घटनाएं हुई, क्या महाराष्ट्र में हो सकती हैं?...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will not allow any more on this.

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :अध्यक्ष महोदय, ये राजनीति कर रहे हैं।...(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते : आप सुनिए तो सही कि मैं क्या राजनीति कर रहा हूं और कौन राजनीति कर रहा है?...(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम : *(Interruptions)* â€¦*

श्री अनंत गंगाराम गीते : आप उनका नाम लेकर, *(Interruptions) â€¦ ** क्या यहां कुछ भी बोल सकते हैं?...(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम : इस बारे में सामना अखबार में आर्टिकल लिखा गया है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have deleted that. Why are you saying that?

...(*Interruptions*)

श्री अनंत गंगाराम गीते : अध्यक्ष महोदय, क्या ये लोग किसी की नाम लेकर कुछ भी बोल सकते हैं, कुछ भी आरोप लगा सकते हैं?

MR. SPEAKER: I have deleted that.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Md. Salim, Please take your seat.

---

* Not recorded

श्री अनंत गंगाराम गीते : इसके लिए आप लोग, आप जैसे नेता जिम्मेदार हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ जी, मैं जानता था कि यही होगा। इसीलिए मैंने आपसे विनती की थी, लेकिन आप लोगों ने नहीं सुनी। ठीक है, देश का बंटवारा और कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते : अध्यक्ष जी, मैं पहले ही कह चुका हूं कि मैं किसी के समर्थन में खड़ा नहीं हुआ हूं, न ही किसी की वकालत कर रहा हूं...(व्यवधान) निन्दा ही कर रहा हूं, लेकिन आप सुन तो लीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : गीते जी, आप वहां देखकर क्यों बोल रहे हैं। आप मुझे एड्रेस कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते : अध्यक्ष जी, इससे पहले इस विषय को लेकर सबसे ज्यादा आतंक असम में हुआ था...(व्यवधान) लालू जी, आप सुन तो लीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : गीते जी, आप मुझे एड्रेस करके जो बोलेंगे, वही रिकार्ड होगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते : अध्यक्ष महोदय, वहां कई बिहारियों की हत्या हो गई थी। मुम्बई में तो कुछ भी नहीं हुआ है, जितना हुआ है, उससे ज्यादा बवाल खड़ा किया गया है। यह वास्तविकता है, आप लोगों को इसे समझना चाहिए। वास्तव में इसकी चर्चा यहां करने की भी आवश्कयता नहीं थी।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is a very sad day for the country. अगर हाउस में इस तरह से चलेगा तो क्या होगा?

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : क्या आप लोग नहीं चाहते हैं कि हाउस चले?

â€¦(व्यवधान)

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' : हमारी मांग है कि रिजर्व बैंक का हेडक्वार्टर दिल्ली में लाया जाए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not write one word that is said without my permission.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप लोगों ने मुझे कैसी नौकरी दी है, मैं चाहता भी नहीं था। आप मुझे इस नौकरी से छुटकारा दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: We are behaving in this manner! मैं आप लोगों से अपील करता ,हूं आप लोग सोचिए कि क्या यह देश के लिए ठीक है?

â€¦(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते : अध्यक्ष महोदय, जो लोग मुझे बोलने नहीं देना चाहते हैं, वही इसके लिए जिम्मेदार हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप मुद्दे पर बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते : अध्यक्ष महोदय, *(Interruptions)* â€¦*

अध्यक्ष महोदय : यह सही नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनंत गंगाराम गीते : *(Interruptions)* â€¦*

* Not recorded.

MR. SPEAKER: That will be deleted from the record. इसको डिलीट कर दीजिए।

...(*Interruptions*)

11.50 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Twelve of the Clock.[R11]

14.06 hrs.

Incidents of violence against North Indians in Mumbai and other parts of the country

उपाध्यक्ष महोदय : बहुत से मैम्बर्स चाहते थे कि होम-मिनिस्टर साहब महाराष्ट्र की घटना पर वक्तव्य दें।

अगर वे चाहें तो स्टेटमेंट दे सकते हैं।

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI) : We have also submitted our notice regarding this. ...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : मंत्री जी, एक मिनट इनकी बात भी सुन लें। आप एक-दो मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Mr. Deputy Speaker, Sir, the incidents that have happened in Maharashtra, Assam and other parts of the country are very much shocking to us. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Silence please.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Now, this has happened because the migrant labourers from different parts of the country are going to other parts for their jobs. Some workers from Orissa have also gone to different parts of the country as migrant workers. They have been working there. This is the constitutional obligation of the Government of India. They cannot sit silent like this. The Constitution has provided safeguards for the linguistic minorities and migrant labourers. So, safety should be given to them. Their property and their lives are not safe. What is the Government of India doing? It is not the question of a State maintaining its law and order. The Government of India is solely responsible for it.

This has happened in Maharashtra. Fortunately, we have four Cabinet Ministers from Maharashtra. Hon. Home Minister is from Maharashtra. Agriculture Minister, Shri Sharad Pawar, is from Maharashtra. Mr. Antulay is from Maharashtra. Mr. Shinde is from Maharashtra. They are all ex-Chief Ministers. Why are they not consulting all parties to solve this problem? This is a national issue. Now, the entire country is criticizing this. Also, in others States, the echo is going on. We have all Members of Parliament expressing their anxiety. Why is this happening? Why is this happening in any part of the country, any part of the State? The entire country is one. Why is this happening? The Government should take the lead.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Thank you.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : They should consult all the political parties. They should not shift the responsibility to States. What is the Government of India doing? ...(*Interruptions*) The hon. Home Minister is here. It has happened in Maharashtra. It has happened in Assam. It has happened in different places. ...(*Interruptions*) The migrant labourers have been harassed. Their lives are at stake....(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now I request the Home minister to speak on this.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should be recorded. Nothing is going on record.

(Interruptions) â€¦*

MR. DEPUTY-SPEAKER: What are you doing? Please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, Mr. Home Minister.

...(*Interruptions*)[MSOffice12]

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त कर दूंगा। ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: No. Please sit down.

...(*Interruptions*)

* Not recorded

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे सिर्फ एक मिनट बोलने का मौका दीजिए। ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down. आपकी पार्टी के सदस्य बोल चुके हैं।

...(*Interruptions*)

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' : महोदय, मैंने नोटिस दिया था। â€¦(व्यवधान) यह सवाल किसी पार्टी का नहीं है। यह सवाल देश से संबंधित है। ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have not allowed you. Please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should go on record.

(Interruptions) â€¦*

ADV. SURESH KURUP (KOTTAYAM): Sir, it started with attacks on South Indians...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have not allowed him to speak. How is it possible for me to allow you?

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: If I allow you, other hon. Members will also ask me to allow them.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

ADV. SURESH KURUP : Sir, it is a serious issue...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will not allow you.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: It will not go on record.

(Interruptions) â€¦*

* Not recorded

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): Sir, it is possible for us to understand the feelings of the hon. Members and the concerns expressed by them. We appreciate what they have said on the floor of the House.

I was attending a meeting and could not hear the Members speaking in the House relating to the incidents that took place in Maharashtra. So, without going through the statements carefully, it would not be possible for me to respond to the points raised by them. If required and directed, I would collect the information...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : महोदय, हमने सवाल किया है और हमें उत्तर चाहिए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अभी गृह मंत्री जी ने अपनी स्टेटमैंट कम्प्लीट नहीं की है।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ सिंह जी आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, I would request them to hear me first...(*Interruptions*) Please allow me to complete. If they have any objection, they can raise it afterwards...(*Interruptions*) Please hear my next sentence...(*Interruptions*)

Sir, let them hear me first...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should be recorded.

(Interruptions) â€¦*

उपाध्यक्ष महोदय : पहले मंत्री जी को स्टेटमैंट देने दीजिए, फिर देखेंगे कि क्या करना है।

[R13]â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः उन्होंने अभी उत्तर शुरू किया है।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः अगर आपको तसल्ली नहीं होगी तो फिर देखेंगे।

â€¦(व्यवधान)

* Not recorded

उपाध्यक्ष महोदयः अगर जवाब सही नहीं होगा तो फिर देखेंगे।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः पहले उत्तर कम्पलीट होने दिया जाए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः उन्होंने अपने बारे में बात कही है।

â€¦(व्यवधान)

श्री शिवराज वि. पाटील ः आप पहले सुन लीजिए। यह क्या बात हुई? â€¦(व्यवधान)

आप बात सुने बिना बोलते जा रहे हैं।â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please address the Chair.

...(*Interruptions*)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: We are not going to be cowed down....(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदयः अगर आप जवाब सुनना नहीं चाहते हैं तो इसे रहने देते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री शिवराज वि. पाटीलः यह क्या तरीका है? â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I would request the hon. Leaders to come to the Speaker's Chamber.

The House stands adjourned to meet again at 2.30 p.m.

14.17 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Thirty Minutes

past Fourteen of the Clock.

14.30 hrs.

The Lok Sabha re-assembled at Thirty Minutes past

Fourteen of the Clock.

(Mr. Deputy Speaker *in the Chair*)

MR. DEPUTY SPEAKER: Now I would request the hon. Home Minister, as he is not fully prepared today, to come prepared tomorrow and make the Statement in the House.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): Sir, please allow me to speak for one or two minutes.

MR. DEPUTY SPEAKER: All right.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, my next sentence – I have it in a written form, in which I said –was that if required and directed I would collect the information on these points and respond to them on the date and time given to me. That was my next sentence. Then I have also said that I am in a position to speak on the policy of the Government of India and the Government of the State as expected. ...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार): आपने अपने आसन से नियमन दिया है, उसके बाद भी बोल रहे हैं...(व्यवधान)

MR. DEPUTY SPEAKER: I have allowed him.

श्री प्रभुनाथ सिंह : यह आपके आसन की अवमानना है।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY SPEAKER: The Home Minister will make the Statement tomorrow. He was only giving a clarification.

...(*Interruptions*)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, I would like to say that if really my Statement is wanted on the floor of the House, I am ready to make the Statement at any time. If I am standing up to make the statement and if the former Ministers and the senior leaders do not allow me to speak, then how do I make the Statement? ...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदयः हम इनसे रिक्वेस्ट की है कि कल जब आप बोलेंगे तो कोई मैम्बर नहीं बोलेगा। इसलिए आप पूरी प्रिपेरेशन करके आएं।

â€¦(व्यवधान)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, any time you direct I am ready to make the Statement. Tomorrow I can make the Statement. ...(*Interruptions*)

12.00 hrs.

The Lok Sabha re-assembled at Twelve of the Clock

(Mr. Speaker in the Chair)

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Laluji, please.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज आप लोग बैठ जाइए। मेहरबानी करके आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : महोदय, आप हमारी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम किसी की बात नहीं सुनेंगे।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I strongly denounce certain observations that were made which were intended to divide the country. I cannot be a party to this. It has already been deleted and I express my strong disapproval.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let us do some work. Mr. Tripathy, let me think what I can do.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Kindly listen to important statement to be made by the hon. Minister.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Now, Shri Pranab Mukherjee.